# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संचालित)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 1992-1993

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
ए-40, विशाल एन्क्लेव, राजा गार्डन,
नई दिल्ली–110027

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित)

# वार्षिक प्रतिवेदन

1992 - 93

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

ए- 40 विशाल इन्क्लेव, राजा गार्डेन

नयी दिल्ली - 110027.

# विषय-सूची


1· **प्रस्तावना**

- 1·1 भूमिका और कार्य
- 1·2 कार्यक्रम और क्रियाकलाप
- 1·3 अध्यापन
- 1·4 अध्यापक-प्रशिक्षण
- 1·5 शोध
- 1·6 प्रकाशन

2· संगठन और स्थापना
3· शैक्षणिक विभाग
4· शोध और प्रकाशन विभाग
5· पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग
6· परीक्षा विभाग
7· प्रशासन विभाग
8· वित्त विभाग
9· योजना अनुभाग
10· कार्यालय-भवन का निर्माण
11· विद्यापीठ :-

- 11·1 श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी
- 11·2 गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद
- 11·3 श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू
- 11·4 गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरनाटुकरा (त्रिचूर)
- 11·5 केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर
- 11·6 केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ
- 11·7 राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

**परिशिष्ट**

- क- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची
- ख- शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
- ग- सम्बद्ध संस्थायें
- घ- संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले राज्यों के नामों की सूची
- ड- संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों की सूची
- च- वर्ष 1992-93 का प्राप्ति एवं भुगतान का विवरण


= ==0===

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
## वार्षिक प्रतिवेदन - 1992-93

## 1. प्रस्तावना

### 1.1 भूमिका और कार्य

सम्पूर्ण भारत मे संस्कृत की उन्नति और विकास के लिए अक्टूबर सन् 1970 मे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना की गयी । यह एक स्वायत्तशासी संगठन है, जिसका पंजीकरण सोसायटी रैजिस्ट्रेशन अधिनियम (1860 के अधिनियम xxi) के अन्तर्गत हुआ है । इसके खर्च का पूरा भार भारत सरकार वहन करती है । संस्कृत भाषा के प्रचार एवं विकास के लिए यह एक शीर्षस्थ संस्था के रूप मे कार्य कर रहा है । यह संस्कृत-अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने मे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता करता है । संस्कृत भाषा और शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों मे प्रचार-प्रसार और विकास के लिए सन् 1956 मे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संस्कृत आयोग की संस्तुतियों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए यह एक प्रमुख संस्था के रूप मे अपनी भूमिका निभा रही है ।

संस्था के ज्ञापन (मेमोरेण्डम आफ एसोसियेशन) से स्पष्ट है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत विद्या और शोध-कार्य का प्रचार-प्रसार, विकास तथा प्रोत्साहन करना है और संस्थापित अथवा अधिगृहीत सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्रबंध के लिए केन्द्रीय प्रशासकीय तथा समन्वय करने वाली संस्था के रूप मे कार्य करना है ।

### 1.2 कार्यक्रम और क्रियाकलाप

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों का सम्पादन करता है :-

- विभिन्न राज्यों मे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना ।
- उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान स्तर पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत के अध्यापन-कार्य को संचालित करना ।
- स्नातक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण (शिक्षा शास्त्री) का संचालन ।

.....2

- संस्कृत के विभिन्न शास्त्रों में अनुसंधान कार्य का संचालन और समन्वयन ।
- परस्पर अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं को प्रायोजित करने में अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना ।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों और महत्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन व प्रकाशन ।

## 1.3 अध्यापन

संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक का अध्यापन-कार्य संस्थान द्वारा बनाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाता है । स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित एवं संस्थान से सम्बद्ध अन्य संस्कृत संस्थायें भी इसी पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापन करती हैं । संस्थान में +2 स्तर का दो वर्ष का प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है । यह आधुनिक एवं गैर परम्परागत पद्धति से आने वाले छात्रों के लिए है ।

पुरी और जम्मू विद्यापीठ में विद्यालय स्तर का अध्यापन-कार्य भी होता है जो प्रथमा (कक्षा 6, 7 और 8) से लेकर पूर्वमध्यमा (कक्षा 9-10) और उत्तरमध्यमा (कक्षा 11-12) तक का होता है ।

इस समय राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सात केन्द्रीय विद्यापीठों का संचालन कर रहा है ।

## 1.4 अध्यापक-प्रशिक्षण

सभी केन्द्रीय विद्यापीठों में एक शैक्षिक सत्र के लिए अध्यापकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाया जाता है जो प्रयोगात्मक शिक्षा पर बल देता है । इस पाठ्यक्रम में सफल होने वाले विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्री की उपाधि दी जाती है जो बी.एड. के समकक्ष होती है।

## 1.5 अनुसंधान

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद संस्कृत के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य के लिए पूर्ण रूप से प्रवृत्त है । अन्य विद्यापीठों में भी शोधछात्रों की सुविधा के लिए उनके नामांकन की व्यवस्था है । अनुसंधान कार्य पूरा करने के बाद उन्हें संस्थान द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है जो पी.एच.डी के समकक्ष है।

.....3

1·6 **प्रकाशन**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से दो अनुसंधान पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है:- **संस्कृत विमर्श** और **गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ शोध-पत्रिका** । संस्कृत-**विमर्श** का प्रकाशन मुख्यालय द्वारा किया जाता है । दूसरी पत्रिका का प्रकाशन गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद से होता है ।

2· **संगठन और स्थापना**

साधारण सभा संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है जिसमें 23 सदस्य है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची संलग्नक "क" में दी गयी है । साधारण सभा द्वारा स्वीकृत नीतियों का क्रियान्वयन शासी परिषद् द्वारा किया जाता है जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त छः सदस्य है ।

शासी परिषद् के कार्यों के सम्पादन मे निम्नलिखित समितियाँ सहायता करती है:-

1- अर्थ समिति
2- विद्या परिषद्
3- प्रकाशन समिति
4- शोध समिति
5- परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान चार विभागों के द्वारा कार्य करता है :-

1- शैक्षणिक विभाग
2- परीक्षा विभाग
3- प्रशासन विभाग
4- वित्त विभाग

शैक्षणिक विभाग की तीन शाखाएँ है, जिनके नाम है :-

1- शैक्षणिक शाखा
2- शोध और प्रकाशन शाखा
3- पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

इनमें से प्रत्येक शाखा का प्रधान अधिकारी एक एक उप-निदेशक होता है । ये सभी अधिकारी संस्थान के निदेशक की सहायता करते है जो संस्थान का सर्वोच्च कार्यपालक अधिकारी होता है और साधारण सभा एवं शासी परिषद् द्वारा स्वीकृत नीतियों और कार्यक्रमों के संपादन के लिए उत्तरदायी होता है ।

संस्थान के निदेशक की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है । जनवरी 1991 से संयुक्त सचिव (भाषा) अपने पद के साथ साथ निदेशक का अतिरिक्त कार्य भी देख रहे है ।

## 1. शैक्षणिक विभाग

### क- शैक्षणिक शाखा

यह शाखा प्रमुख रूप से शैक्षिक स्तर के निर्धारण, विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा सत्रान्त तक के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम की तैयारी के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त यह शाखा संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य भी करती है ।

### ख- अनुसंधान एवं प्रकाशन शाखा

यह शाखा संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्रकाशन और अनुसंधान कार्यों के समन्वय और कार्यान्वयन से सम्बद्ध है । यह संस्थान के अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी करती है ।

### ग- पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

यह शाखा पत्राचार पाठ्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन के लिए उत्तरदायी है । यह पाठ्यक्रम दो स्तर पर संचालित है :-

1- संस्कृत का प्रारंभिक पाठ्यक्रम- प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)
2- संस्कृत का प्रारंभिक पाठ्यक्रम- द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

## 2. परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है :-

प्रथमा
पूर्वमध्यमा
उत्तरमध्यमा
प्राक्शास्त्री
शास्त्री
आचार्य
शिक्षाशास्त्री

वर्ष 1989-90 से संस्थान ने शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिए एक प्रतियोगी प्रवेश-परीक्षा आरंभ की है । इसे पूर्व शिक्षाशास्त्री परीक्षा कहते हैं ।

यह विभाग शोध-उपाधियां प्रदान करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और सम्बद्ध संस्थाओं के विद्यार्थियों के शोध-प्रबंधों का मूल्यांकन एवं उनकी मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है ।

## 3. प्रशासन विभाग

यह विभाग संस्थान और उसके अंगीभूत विद्यापीठों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है । नियुक्तियों, पदस्थापन, स्थानांतरण तथा अन्य स्थापना संबंधी कार्यों की योजना बनाना और विद्यापीठों पर नियंत्रण रखना इस विभाग का प्रमुख दायित्व है ।

## 4. वित्त विभाग

इस विभाग का कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करता है । यह भविष्य निधि का भी प्रबन्ध करता है और शिक्षा मन्त्रालय की योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि का भी वितरण करता है ।

**विद्यापीठ**

निम्नलिखित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठ है :-

| क्रमसं0 | विद्यापीठ का नाम | स्थान |
|---|---|---|
| 1. | गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | इलाहाबाद |
| 2. | श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | पुरी |
| 3. | श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | जम्मू |
| 4. | गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | पुरनाट्करा, त्रिचूर |
| 5. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | जयपुर |
| 6. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | लखनऊ |
| 7. | श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | शृंगेरी |

ये विद्यापीठ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में अध्यापन कार्य करते है :-

| क्रमसं0 | पाठ्यक्रम | के समकक्ष |
|---|---|---|
| 1. | प्रथमा | मिडिल |
| 2. | पूर्वमध्यमा | सेकेन्डरी |
| 3. | उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री | सीनियर सेकेन्डरी |
| 4. | शास्त्री | बी.ए. |
| 5. | आचार्य | एम.ए. |
| 6. | शिक्षाशास्त्री | बी.एड. |
| 7. | शिक्षा आचार्य | एम.एड. |
| 8. | विद्यावारिधि | पी.एच.डी. |

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक का पाठ्यक्रम विद्यालय स्तर का है, जिसका संचालन केवल पुरी और जम्मू विद्यापीठ में होता है ; प्राक्शास्त्री यद्यपि विद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम है, लेकिन बफर कोर्स के कारण इसे सभी विद्यापीठों में चलाया जाता है ।

3· शैक्षणिक विभाग

इस अनुभाग का प्रधान अधिकारी उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष मे इस अनुभाग मे निम्नलिखित पदाधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत है -

1- एक अनुभाग अधिकारी
2- एक सहायक
3- एक उच्च श्रेणी लिपिक
4- एक निम्न श्रेणी लिपिक
5- एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह अनुभाग निम्नलिखित क्रियाकलापो से सम्बन्धित है :-

क- यह संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापो का प्रमुख व्यवस्थापक है । विभिन्न कक्षाओ के लिए पाठ्यक्रम-निर्माण इसका मुख्य कार्य है । प्रथमा से आचार्य तक के संस्कृत विषयो के पाठ्यक्रम बनाने के लिए तदर्थ रूप से अलग-अलग विषय समितियो का गठन किया जाता है । इनकी संस्तुतियो को अध्ययन मण्डल (बोर्ड आफ स्टडीज्) के समक्ष विचारार्थ रखा जाता है, जिसका गठन आवश्यकतानुसार किया जाता है ।

जहां तक अंग्रेजी, हिन्दी और आधुनिक विषयो जैसे इतिहास आदि के पाठ्यक्रम का प्रश्न है, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है। शास्त्री कक्षा के लिए आधुनिक विषयो जैसे हिन्दी और अंग्रेजी आदि के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है ।

ख- छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति कार्यक्रम की दो प्रमुख शाखाएं है जिसमे से एक विद्यापीठ के विद्यार्थियो को छात्रवृत्ति प्रदान करने से संबंधित है । यह छात्रवृत्ति प्रत्येक विद्यापीठ की बजट व्यवस्था से दी जाती है । वर्ष 1992-93 के दौरान हमारे अंगीभूत विद्यापीठो के विद्यार्थियो को दी जाने वाली छात्रवृत्तियो का विवरण इस प्रकार है :-

| क्रमसं0 | विद्यापीठो के नाम | छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियो की संख्या |
|---|---|---|
| 1· | गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद | 006 |
| 2· | श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | 275 |

| | | |
|---|---|---|
| 3. | श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू | 184 |
| 4. | गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, केरल | 161 |
| 5. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर | 198 |
| 6. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ | 078 |
| 7. | राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी (कर्नाटक) | 049 |

दूसरी छात्रवृत्ति विद्यापीठ के छात्रों के अतिरिक्त अन्य छात्रों/शोधार्थियों के लिए है जो निम्नांकित है:-

1- परम्परागत पाठशालाओं के विद्यार्थियों के लिए शोध-छात्रवृत्ति ।
2- मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्ति

वर्ष 1992-93 के दौरान छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है :-

| क्रम सं0 | पाठ्यक्रम | नई छात्रवृत्तियां (प्रथम वर्ष) | नवीनीकरण (द्वितीय वर्ष) |
|---|---|---|---|
| 1. | आचार्य | 117 | 126 |
| 2. | एम.ए. | 014 | 013 |
| 3. | बी.ए. | 001 | --- |
| 4. | शास्त्री | 005 | --- |
| 5. | विद्यावारिधि | 009 | 088 |
| 6. | पी-एच.डी. | 005 | 009 |

**ग- प्रवेश**

अनेक संस्कृत परीक्षण संस्थाओं की परीक्षाओं की समकक्षता को ध्यान में रखते हुए संस्कृत छात्रों का प्रवेश संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों में अगली कक्षा में होता है ।

वर्ष 1992-93 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है :-

| क्रमसं0 | विद्यापीठ | प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की सं0 | अनुसूचित जाति/ जनजाति |
|---|---|---|---|
| 1. | इलाहाबाद | 011 | -- |
| 2. | पुरी | 382 | -- |
| 3. | जम्मू | 242 | 11 |
| 4. | गुरुवायूर | 250 | -- |
| 5. | जयपुर | 298 | 04 |
| 6. | लखनऊ | 131 | 08 |
| 7. | शृंगेरी | 079 | -- |

**घ- छात्रावास-सुविधा**

वर्ष 1992-93 में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में जिन विद्यार्थियों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी उनकी संख्या निम्नलिखित है :-

| क्रमसं0 | विद्यापीठ | विद्यार्थियों की सं0 |
|---|---|---|
| 1. | इलाहाबाद | --- |
| 2. | पुरी | 104 |
| 3. | जम्मू | 047 |
| 4. | गुरुवायूर | --- |
| 5. | जयपुर | 053 |
| 6. | लखनऊ | 017 |

**ङ- संस्थाओं की सम्बद्धता**

संस्थान की प्रारंभ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था । बाद में कुछ स्वतन्त्र संस्थाओं को भी इससे सम्बद्ध कर लिया गया । पिछले कुछ वर्षों से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है । संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक "ग" में दी गयी है । इन स्वतन्त्र संस्कृत संस्थाओं को प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के पाठ्यक्रमों के लिए सम्बद्धता दी गई है ।

## 4- शोध और प्रकाशन शाखा

शोध और प्रकाशन शाखा का प्रमुख एक उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष मे इस शाखा मे निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत है :-

1- दो शोध सहायक
2- एक सहायक
3- एक बिक्री सहायक
4- एक पुस्तकालय सहायक
5- एक निम्न श्रेणी लिपिक
6- एक पुस्तकालय परिचर
7- एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह शाखा मुख्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठो के शोध और प्रकाशन कार्यों मे सामंजस्य स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्थानान्तरित निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य भी किया जाता है ।

1- संस्कृत-साहित्य के साथ-साथ संस्कृत समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन ।
2- संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण ।
3- संस्कृत की पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन ।

प्रस्तुत वर्ष मे सहायता अनुदान समिति एवं शोध-परिषद् की एक बैठक हुई जिसमे अनेक प्रस्ताव स्वीकृत किए गए । मुख्यालय से "संस्कृत-विमर्श" नामक शोध-पत्रिका का अठारहवाँ खंण्ड प्रकाशित हुआ । इलाहाबाद विद्यापीठ से "गंगानाथ झा शोध-पत्रिका" का प्रकाशन भी हुआ ।

फोर्ड फाउण्डेशन की वित्तीय सहायता से संस्थान ने एक परियोजना "हूजहू" के निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जिसमे भारत के परम्परागत संस्कृत विद्वानो की सूची तैयार की जाती है । यह निर्देशिका साहित्य अकादमी मे मुद्रण की अवस्था मे है और इसके शीघ्र ही प्रकाशित होने की आशा है ।

जम्मू विद्यापीठ के द्वारा काश्मी-शैव-दर्शन का शृंगेरी केन्द्र चलाया जा रहा है। काश्मीर-शैव-दर्शन पर एक सौ से अधिक पाण्डुलिपियों का संकलन किया जा चुका है । उनमे से कुछ का संपादन कार्य चल रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन कोष भी मुद्रणाधीन है।

## 5- पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा की स्थापना शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत की गयी थी। यह शाखा 10 वर्षों से अधिक समय से पत्राचार के माध्यम से हिन्दी और अँग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत के शिक्षण का कार्य कर रही है । यह द्विवर्षीय पाठ्यक्रम है। इसमें से प्रथम वर्ष में दोनों माध्यमों में 21-21 पाठ हैं । तथा द्वितीय वर्ष में 20-20 पाठ हैं ।

वर्ष 1992 के अन्तर्गत (जनवरी से दिसम्बर 1992 तक) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है :-

| प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| क- हिन्दी माध्यम | 0468 |
| ख- अँग्रेजी माध्यम | 1375 |
| **द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम** | |
| क- हिन्दी माध्यम | 079 |
| ख- अँग्रेजी माध्यम | 130 |
| कुल योग | 2052 |

यह पाठ्यक्रम भारतीय छात्र के लिए मात्र 15/- रुपये वार्षिक और विदेशी छात्र के लिए 10 अमेरिकी डालर शुल्क लेकर चलाया जाता है ।

इन पाठ्यक्रमों को और अधिक लोकप्रिय बनाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए संस्थान ने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रचार के लिए बहुत से कदम उठाए हैं । इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अतिरिक्त अनेक उच्च पदाधिकारियों एवं विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों ने इस पत्राचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है और संस्कृत सीख रहे हैं।

जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते है, उन्हे "संस्कृत प्रवेश" नामक प्रमाण-पत्र दिया जाता है ।

## 6- परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) है, जिनके नीचे दो और अधिकारी सहायक निदेशक और अनुभाग अधिकारी है । संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन इसका मुख्य दायित्व है । संस्थान के दारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि की परीक्षाओं का संचालन किया जाता है । इन परीक्षाओं में अंगीभूत विद्यापीठों तथा सम्बद संस्थाओं दोनों के परीक्षार्थी परीक्षा में बैठते है । ये परीक्षाएँ विद्यापरिषद् दारा निर्धारित मार्गदर्शक सिदान्तों के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रम के अनुसार संचालित की जाती है ।

वर्ष 1992-93 में विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है :-

| क्रमसं0 | कक्षा | उत्तीर्ण |
|---|---|---|
| 1. | प्रथमा-तृतीय वर्ष | 118 |
| 2. | पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष | 418 |
| 3. | पूर्वमध्यमा-दितीय वर्ष | 206 |
| 4. | उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष | 136 |
| 5. | उत्तरमध्यमा-दितीय वर्ष | 066 |
| 6. | प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष | 399 |
| 7. | प्राक्शास्त्री-दितीय वर्ष | 312 |
| 8. | शास्त्री प्रथम वर्ष | 449 |
| 9. | शास्त्री दितीय वर्ष | 414 |
| 10. | शास्त्री तृतीय वर्ष | 304 |
| 11. | सेतु | 095 |
| 12. | आचार्य प्रथम वर्ष | 317 |
| 13. | आचार्य दितीय वर्ष | 271 |
| 14. | शिक्षाशास्त्री | 299 |
| | कुल योग | 3804 |

इसके अतिरिक्त वर्ष 1992-93 में 58 शोधार्थियों को उनके शोध-प्रबन्धों पर विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गयी ।

शैक्षणिक सत्र 1989-90 से शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए संस्थान पूर्व-शिक्षाशास्त्री-परीक्षा का संचालन कर रहा है । वर्ष 1992-93 में भी विभिनन केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की गयी ।

## 7- प्रशासन विभाग

इस विभाग का प्रमुख उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी इस विभाग में कार्य कर रहे हैः-

1- एक अनुभाग अधिकारी
2- तीन सहायक
3- तीन उच्चश्रेणी लिपिक
4- छह निम्नश्रेणी लिपिक
5- एक आशुलिपिक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन विभाग नियमानुसार कार्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने का कार्य करता है । यह संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है । यह विभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना संबंधी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन की प्राप्ति, नए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों का संचालन आदि करता है ।

जिन विद्यापीठों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए जमीन प्राप्त करने और उनके लिए भवन बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं । इसी सन्दर्भ में श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू के भवन निर्माण के लिए जम्मू एवं काश्मीर सरकार की सहायता से भलवल (जम्मू) में भूमि प्राप्त कर ली गई है । भूमि पर चारदीवारी का कार्य पूरा हो चुका है । इसी प्रकार जयपुर और लखनऊ विद्यापीठों के लिए प्राप्त भूमि खण्ड पर चारदीवारी का कार्य भी पूरा हो चुका है । केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी के भवन-निर्माण के लिए भूमि-आबंटन संबंधी मामला उड़ीसा सरकार के विचाराधीन है । राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी को कर्नाटक सरकार ने 10·5 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है । मध्यप्रदेश सरकार ने भी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना के लिए भोपाल में 10·00 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है ।

8- वित्त विभाग

इस विभाग का प्रमुख अधिकारी उप-निदेशक है । इसमें एक अनुभाग अधिकारी, एक सहायक, एक उच्च श्रेणी लिपिक तथा तीन निम्न श्रेणी लिपिक है ।

बजट (1992-93)

वर्ष 1991-92 से बचे हुए 104.08 लाख रूपये को वित्तीय वर्ष 1992-93 में समाविष्ट किया गया । मन्त्रालय के द्वारा कुल मिलाकर 461.08 लाखरूपये, जिसमें पिछले वर्ष की बची धनराशि भी सम्मिलित है- की स्वीकृति दी गई । इस राशि को अंगीभूत इकाइयों में निम्न प्रकार से विभाजित किया गया है :-

(अंक लाखों रूपये में)

| इकाई | योजनागत | योजनेतर | कुल योग |
|---|---|---|---|
| मुख्यालय | 94.78 | 95.33 | 190.11 |
| पुरी विद्यापीठ | 00.77 | 46.55 | 047.32 |
| जम्मू विद्यापीठ | 03.77 | 40.00 | 043.77 |
| इलाहाबाद विद्यापीठ | 02.00 | 33.78 | 035.78 |
| गुरूवायूर विद्यापीठ | 38.00 | 38.00 | 076.00 |
| जयपुर विद्यापीठ | 03.00 | 31.00 | 034.10 |
| लखनऊ विद्यापीठ | ---- | 24.00 | 024.00 |
| शृंगेरी विद्यापीठ | 10.00 | ----- | 010.00 |
| कुल योग | 152.42 | 308.66 | 461.08 |

यह राशि वेतन, भत्ते, छात्रवृत्तियाँ एवं अन्य रख-रखाव की मदों पर खर्च की गई । खर्च से बची 15.25 लाख रूपये की धनराशि अनुदान राशि के प्राप्त होने तक अगले वित्तीय वर्ष के पूर्व के कुछ महीनों में खर्च के लिए उपयोग में लाई गई ।

लेखा

इस वर्ष अंगीभूत विद्यापीठों का लेखा महालेखाकार द्वारा विधिवत् परीक्षित एवं प्रमाणित किया गया । वर्ष 1992-93 का संचित खाता नवम्बर 1993 से जनवरी 1994 के मध्य परीक्षित किया जा चुका है । प्राप्ति एवं भुगतान के परीक्षित लेखा का विवरण संलग्नक "च" में दिया गया है ।

**भविष्य निधि खातों का रख-रखाव**

यह विभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन और भविष्य निधि खातों का रख-रखाव करता है । वित्तीय वर्ष के अंत में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को उसके वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया ।

**लेखा परीक्षा आपत्तियों का कार्य**

वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए सामूहिक प्रयास किए गए । इसके लिए सभी विद्यापीठों को यह निर्देश दिया गया कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें । इसके अनुपालन में लेखा परीक्षाधिकारियों को उत्तर भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहुत सी लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटाया गया ।

**आन्तरिक लेखा-परीक्षण**

यद्यपि आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ के लिए निर्धारित पद अभी भरे जाने है, फिर भी संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाइयों का आन्तरिक लेखा-परीक्षण का कार्य आन्तरिक प्रबन्धों द्वारा सम्पन्न किया है ।

## 9- योजना विभाग

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के विकास और प्रचार-प्रसार की दृष्टि से मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा निर्मित अनेक योजनाओं को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान क्रियान्वित कर रहा है ।

### 1- शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।

इस योजना को आरंभ करने का उद्देश्य यह है कि संस्कृत के विद्यार्थियों को परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके ।

योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है । इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार ने 14 लाख रुपये की राशि (6 लाख योजनागत और 8 लाख रुपये योजनेतर) स्वीकृत की है । प्रत्येक विद्वान् को 1000 रुपये प्रतिमाह प्रथमतः दो वर्ष के लिए दिये जाते हैं । अनुदान-समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है ।

वर्तमान 1992-93 वर्ष में इस योजना के अंतर्गत 65 शास्त्रचूड़ामणि विद्वानों को 2 वर्ष के लिए नियुक्त किया गया । साथ ही 13 विद्वानों की नियुक्ति का कार्यकाल एक वर्ष और बढ़ाया गया ।

2. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत व्यावसायिक विषयों जैसे ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पेलियोग्राफी, कैटलागिंग, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि में कार्यगोष्ठियों के आयोजन तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए चुने हुए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

भारत सरकार के द्वारा इस योजना के अंतर्गत 3 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं । अनुदान समिति की संस्तुति के आधार पर वर्ष 1992-93 में 7 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।

3. संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धांतों के आधार पर 1500 ई.पू.से 1900 ई.तक की अवधि का एक संस्कृत शब्दकोश लगभग 200 पृष्ठों का डेकन कालेज पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है । यह परियोजना वर्ष 1948 में आरंभ की गई थी । तब से अब तक भारत सरकार के द्वारा इसके लिए लगभग एक करोड़ रुपया व्यय किया गया है । डेकन कालेज पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान संपादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है । अब तक इस शब्दकोश के चार खण्ड और लगभग 2446 पृष्ठ मुद्रित हो चुके हैं । कार्य की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आशा की जाती है कि यह कोश 2050 ईस्वी के अंत तक पूरा होगा । यह परियोजना प्रमुख रूप से भारत

सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी अल्प वित्तीय सहायता दी जाती है । वर्ष 1992-93 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत शब्द कोश परियोजना के लिए 20 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की है ।

10. **जनकपुरी,नयी दिल्ली के इन्स्टीच्युशनल एरिया में प्लाट नं0 56-57 पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यालय भवन का निर्माण ।**

मंत्रिमंडलीय आवास समिति ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यालय निर्माण के लिए दिल्ली में स्थान का अनुमोदन दिया है । यह अनुमोदन भारत सरकार के आवास विकास मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में गठित जाँच समिति की संस्तुति के आधार पर दिया गया है । भारत सरकार के आवास विकास मंत्रालय के संपदा निदेशालय के पत्र सं0 11013(डी)/21/90 पी.ओ.एल.1 दिनांक 12.8.92 के अंतर्गत वर्ष 1984 में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूखण्ड पर संस्थान के कार्यालय भवन के निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है । प्रस्तावित भवन का निर्माण प्लाट नं0-56-57 सांस्थानिक परिसर जनकपुरी,नयी दिल्ली पर होगा ।

चार मंजिलों और तहखाना वाले इस भवन के निर्माण की परियोजना 2.18 करोड़ के अनुमानित बजट के साथ केन्द्रीय सरकार के भवनों का निर्माण करने वाले प्रमुख संगठन केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दी गयी है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा पूर्वप्रदत्त 10,000,00/- रूपये की राशि के अतिरिक्त वर्ष 1992-93 में 85,000,00/- रूपये की धनराशि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दी गई है ।

11. **विद्यापीठ**

11.1 **श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,पुरी**

परम्परागत संस्कृत अध्ययन अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध राज्य सरकार के अंतर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कालेज,पुरी का 15 अगस्त 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अधिग्रहण किया गया । पुराने सदाशिव संस्कृत कालेज,पुरी का नाम बदलकर श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,पुरी रखा गया ।

यह विद्यापीठ विभिन्न विभागों जैसे साहित्य, नव्यव्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैतवेदांत, नव्यन्याय, सर्वदर्शन आदि में प्रथमा से आचार्य तक का अध्यापन कार्य कर रहा है ।

इन विषयों के अतिरिक्त इसमें आधुनिक विषयों जैसे-अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित में शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कार्य होता है । यहाँ शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है ।

प्रस्तुत वर्ष में संस्थान की विभिन्न परीक्षाओं में 466 विद्यार्थी बैठे जिनमें 428 विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित किये गये ।

विद्यापीठ में शोध छात्रों को शोध कार्य के लिए पर्याप्त सुविधायें दी जाती है । वर्ष 1992-93 में 18 शोधार्थी विभिन्न संकायों में शोधकार्यरत रहे

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं निःशुल्क छात्रावास की सुविधा भी प्रदान की जाती है । प्रस्तुत वर्ष में 69 छात्रों एवं 35 छात्राओं को 3 छात्रावासों में आवास की सुविधा प्रदान की गयी ।

1. **वर्ष के अन्य विशिष्ट कार्य**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली के संरक्षण में प्रथम पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन इस विद्यापीठ में 20 जुलाई 1992 से 12 अगस्त 1992 तक किया गया । इस पाठ्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए संस्कृत के विशिष्ट विद्वानों ने प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान की अभिवृद्धि के लिए संस्कृत साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए ।

2. "विस्तार भाषण माला" के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर नौ प्रख्यात विद्वानों के भाषण हुए ।
3. शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) के विद्यार्थियों द्वारा स्काउट कैम्प का आयोजन किया गया ।

## 11.2 गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,इलाहाबाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अङ्गीभूत एक शोध संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए विद्यापीठ प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है। विद्यापीठ में प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य के निर्देशन में कार्य करते हैं तथा पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं । विद्यापीठ का पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियाँ न केवल उसके छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित है अपितु विद्यापीठ संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार इसके पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है ।

विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य शोधार्थियों के निर्देशन के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर शोध-कार्य भी करते है । विद्यापीठ के शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से किया जाता है ।

प्रस्तुत वर्ष में विद्यापीठ में ।। शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए नामाङ्कित किया गया । ।8 शोधार्थियों ने अपना शोध-प्रबंध प्रस्तुत किया तथा लगभग 35 शोधार्थियों की मौखिकी परीक्षा करायी गयी ।

विद्यापीठ के शोध-कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ निम्नलिखित है:-

1. मेघमाला- (संपादित एवं प्रकाशित)
2. उशती- विद्यापीठ की वार्षिक पत्रिका (संपादित एवं प्रकाशित)
3. न्यायतत्वालोक- (प्रकाशित)
4. भल्लट-शतक- (संपादित एवं प्रकाशित)
5. संकेत-कौमुदी- (संपादित एवं प्रकाशित)
6. वास्तु/संख्यान- (संपादित एवं प्रकाशित)
7. विद्यापीठ की पत्रिका (भाग 44 एवं 45)

निम्नलिखित कार्यों को पूरा किया गया:-

1. पंजाबी संस्कृत पाठमाला भाग-।(मुद्रित)
2. पंजाबी संस्कृत पाठमाला भाग-।।
3. शब्देन्दु-शेखर की श्रीधरी टीका
4. सिद्धान्त-रहस्य (संपादित)
5. श्रीवचन भूषण (संपादित)
6. वेद-भाष्य-कोश (भाग । एवं भाग 2)

## 11.3 श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराजा श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली ने । अप्रैल 1971 को अधिग्रहण किया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया । प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थी यहाँ विभिन्न विषयों जैसे-साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलितज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते है । संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरंभ किया गया । शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी और राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है ।

इस विद्यापीठ को कश्मीर शैव दर्शन कोश तैयार करने के उद्देश्य से कश्मीर शैवदर्शन परियोजना का दायित्व सौपा गया था । अब यह परियोजना पूरी हो चुकी है । कश्मीर इकाई अभी अस्तित्व में है ।

विद्यापीठ 14-7-1971 से किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है । जम्मू और कश्मीर सरकार ने विद्यापीठ के भवन-निर्माण के लिए भालवाल में भूमि स्वीकृत की है । इस पर चारदीवारी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है ।

### प्रवेश

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है-

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| प्रथमा- | प्रथम वर्ष | 6 | | |
| | द्वितीय वर्ष | 8 | | |
| | तृतीय वर्ष | 4 | = | 18 |
| पूर्वमध्यमा- | प्रथम वर्ष | 17 | | |
| | द्वितीय वर्ष | 12 | = | 29 |
| उत्तरमध्यमा- | प्रथम वर्ष | 8 | | |
| | द्वितीय वर्ष | 9 | = | 17 |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 24 | | |
| | द्वितीय वर्ष | 8 | = | 32 |

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 20 |
| | द्वितीय वर्ष | 20 |
| | तृतीय वर्ष | 20 = 60 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 17 |
| | द्वितीय वर्ष | 13 = 30 |
| शिक्षाशास्त्री | | 53 |
| विद्यावारिधि | | 1992-93 में विद्यावारिधि उपाधि के लिए 3 शोध छात्रों का पंजीकरण किया गया । |
| अनु0जाति/अनु0जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या | | 11 |

इस विद्यापीठ के जम्मू और कश्मीर राज्य के अतिरिक्त हिमाचल-प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, नेपाल आदि अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया जाता है । विद्यापीठ के पास अपना भवन न होने के कारण इसका कार्यालय, पुस्तकालय एवं कक्षाएँ किराए के भवन में चलायी जाती है । इसी प्रकार छात्रावास भी किराए के भवनों में है 47 विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है ।

**छात्रवृत्तियाँ**

प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थियों को योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाती है । छात्रवृत्तियों का विवरण निम्नलिखित है-

| | |
|---|---|
| प्रथमा | 18 |
| पूर्वमध्यमा | 23 |
| उत्तरमध्यमा | 17 |
| प्राक्शास्त्री | 20 |
| शास्त्री | 55 |
| आचार्य | 24 |
| शिक्षाशास्त्री | 27 |

परीक्षा परिणाम

वर्ष 1991-92 में विद्यापीठ का वार्षिक परीक्षा-परिणाम का प्रतिशत निम्न प्रकार है-

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा- | प्रथम वर्ष | 100 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 100 प्रतिशत |
| | तृतीय वर्ष | 50 प्रतिशत |
| पूर्वमध्यमा- | प्रथम वर्ष | 24 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 50 प्रतिशत |
| उत्तरमध्यमा- | प्रथम वर्ष | 100 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 99 प्रतिशत |
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 54 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 100 प्रतिशत |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 100 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 99 प्रतिशत |
| | तृतीय वर्ष | 100 प्रतिशत |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 76 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 99 प्रतिशत |
| शिक्षाशास्त्री | | 96 प्रतिशत |

**अन्य क्रियाकलाप**

1- इस विद्यापीठ द्वारा विस्तार भाषण माला का आयोजन किया गया । चार विशिष्ट विद्वानों ने विभिन्न विषयों पर अपना भाषण दिया ।

2- विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने विभिन्न अन्तःमहाविद्यालयीय/ अन्तःविश्वविद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं, योगाभ्यास और प्रार्थना सभाओं में भी भाग लिया ।

3- जम्मू और कश्मीर सरकार के युवा सेवा एवं खेलकूद विभाग द्वारा बी॰एड॰ छात्रों को स्काउट/ गाइड्स प्रशिक्षण दिया गया ।

## 11.4 गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,पुरनाटुकरा(केरल)

गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित सात विद्यापीठों में से एक है । शैक्षिक सत्र 1992-93 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है ।

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री- प्रथम वर्ष | 28 |
| द्वितीय वर्ष | 28 |
| शास्त्री- प्रथम वर्ष | 23 |
| द्वितीय वर्ष | 32 |
| तृतीय वर्ष | 30 |
| आचार्य- प्रथम वर्ष (अद्वैतवेदांत,साहित्य,व्याकरण) | 24 |
| द्वितीय वर्ष (साहित्य, व्याकरण) | 25 |
| शिक्षाशास्त्री | 56 |
| विद्यावारिधि | 4 |
| कुलयोग | 250 |

-----24

## छात्रवृत्ति

विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है-

| कक्षा | | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 16 |
| | द्वितीय वर्ष | 13 |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 18 |
| | द्वितीय वर्ष | 28 |
| | तृतीय वर्ष | 17 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 18 |
| | द्वितीय वर्ष | 20 |
| शिक्षाशास्त्री | | 27 |
| विद्यावारिधि | | 4 |
| कुलयोग | | 161 |

## परिणाम

वर्ष 1991-92 की वार्षिक परीक्षाओं में विद्यापीठ के परिणाम इस प्रकार रहे-

| कक्षा | | प्रतिशत |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 73 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 68 प्रतिशत |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 100 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 66 प्रतिशत |
| | तृतीय वर्ष | 70 प्रतिशत |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 74 प्रतिशत |
| | द्वितीय वर्ष | 80 प्रतिशत |
| शिक्षाशास्त्री | | 95 प्रतिशत |

इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के 18 छात्रों ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लिया ।

**इस वर्ष के अन्य क्रियाकलाप**

1- अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता और शास्त्रार्थ सभा में विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।

2= विद्यापीठ में विस्तार भाषण माला का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत चार विद्वानों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए ।

## 11.5 केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,जयपुर

यह विद्यापीठ राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमन्त्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामन्त्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में संस्थापित किया गया ।

वर्तमान में इस विद्यापीठ में तीन विभाग है-

1- शोध एवं प्रकाशन
2- शास्त्री, आचार्य विभाग
3- प्रशिक्षण विभाग

प्रस्तुत वर्ष में क्रियाकलापों का विवरण इस प्रकार है-

**प्रवेश**

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 22 |
| | द्वितीय वर्ष | 11 |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 73 |
| | द्वितीय वर्ष | 58 |
| | तृतीय वर्ष | 25 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 38 |
| | द्वितीय वर्ष | 5 |
| सेतु | | 10 |
| शिक्षाशास्त्री | | 56 |
| विद्यावारिधि | | विद्यावारिधि उपाधि के लिए 5 शोध छात्र पंजीकृत हुए । |

**छात्रवृत्तियों का विवरण**

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 11 |
| | द्वितीय वर्ष | 11 |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 46 |
| | द्वितीय वर्ष | 57 |
| | तृतीय वर्ष | 22 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 18 |
| | द्वितीय वर्ष | 5 |

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के दो विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया । इस वर्ष 53 विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी ।

**अन्य क्रियाकलाप**

1- वर्ष 1992-93 में न्याय-कुसुमांजलि का प्रकाशन किया गया ।

2- विद्यार्थियों ने वादविवाद, भाषण, श्लोकपाठ आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रिय भाग लिया । उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिता में भी भाग लिया ।

## 11.6 केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,लखनऊ

1992-93 शैक्षिक वर्ष में इस विद्यापीठ में छात्रों के प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:-

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री | 11 |
| शास्त्री | 34 |
| आचार्य | 27 |
| शिक्षाशास्त्री | 51 |
| विद्यावारिधि | 8 |
| कुलयोग | 131 |

प्रस्तुत वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण
(कक्षाशः)

| कक्षा | | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 5 |
| | द्वितीय वर्ष | --- |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 4 |
| | द्वितीय वर्ष | 10 |
| | तृतीय वर्ष | 1 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 13 |
| | द्वितीय वर्ष | 7 |
| शिक्षाशास्त्री | | 30 |
| विद्यावारिधि | | 8 |
| कुलयोग | | 78 |

इस वर्ष अनु0जाति/अनु0 जनजाति के आठ विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया । वर्ष 1993 का वार्षिक परीक्षा परिणाम निम्नलिखित है-

| कक्षा | | उत्तीर्ण |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 6 |
| | द्वितीय वर्ष | ----- |
| शास्त्री- | प्रथम वर्ष | 5 |
| | द्वितीय वर्ष | 12 |
| | तृतीय वर्ष | 2 |
| आचार्य- | प्रथम वर्ष | 14 |
| | द्वितीय वर्ष | 11 |
| शिक्षाशास्त्री | | 51 |

इस वर्ष सत्रह विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी ।

अन्य क्रियाकलाप

1- संस्कृत के पाँच प्रख्यात विद्वानों द्वारा विस्तार भाषण माला के अंतर्गत व्याख्यान दिए गए ।

2- वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी की रत्नाकर टीका के प्रकाशन का कार्य प्रारंभ किया गया । (कार्य का आधा भाग प्रकाशित हो चुका है)

## 11.7 राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,श्रृंगेरी

वर्ष 1992-93 में श्रृंगेरी कर्नाटक प्रदेश में राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की गयी । दिनाँक 5-3-92 को मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा इसका उद्घाटन किया गया । इस समय विद्यापीठ श्रृंगेरी मठ के किराए के भवन में चलाया जा रहा है । विद्यापीठ का प्रथम शैक्षिक-सत्र 13-7-92 से आरंभ हुआ ।

विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, साहित्याचार्य की कक्षाओं के अतिरिक्त बी.एड. की कक्षाएँ भी आरंभ की गयी हैं ।

वर्ष 1992-93 में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 79 रही । विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा ।

अन्य क्रियाकलाप

1- संस्कृत के पाँच विशिष्ट विद्वानों का विस्तार भाषण माला के अंतर्गत व्याख्यान ।

2- शास्त्रचूड़ामणि योजना के अंतर्गत एक संस्कृत विद्वान् की नियुक्ति इस वर्ष में की गई ।

संलग्नक-"क"

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
नयी दिल्ली
==========

8.10.91 को साधारण सभा के सदस्यों की सूची

1- श्री अर्जुन सिंह
मानव संसाधन विकास मंत्री — अध्यक्ष

2- श्री के.एन.राव
21/बी, टेलीग्राफ लेन,
नयी दिल्ली — उपाध्यक्ष

3. वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शिक्षा-विभाग, शास्त्री भवन,
नयी दिल्ली — सदस्य

4- श्री एम.आर.कोल्हटकर
सलाहकार (शिक्षा)
योजना आयोग, योजना भवन
नयी दिल्ली — सदस्य

5- श्री प्रियदर्शी ठाकुर
संयुक्त सचिव (भाषा) शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नयी दिल्ली — सदस्य

6- प्रोफसर वी.वेंकटाचलम्
कुलपति-संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी — सदस्य

7- कुलपति
कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय
दरभंगा, बिहार — सदस्य

8- डा0 एल.एन.तिवारी
निदेशक,
भोगीलाल लहरचंद इंस्टीट्यूट ऑफ इंडोलॉजी,
20 कि.मी.जी.टी.करनाल रोड, दिल्ली-36 — सदस्य

9- प्रोफेसर आर.सी.द्विवेदी ×
प्रोफेसर (संस्कृत) 5, प्रधान मार्ग,
मालवीय नगर, जयपुर — सदस्य

10- श्री एस.धर्माधिकारी
वैदिक संशोधन मंडल
पुणे, महाराष्ट्र — सदस्य

11- डा. एस.विद्यालंकार
कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय
हरिद्वार, उत्तरप्रदेश — सदस्य

12- पं0 एम.ए.लक्ष्मीतातावार्य
कुलसचिव, एकेडमी आफ संस्कृत रिसर्च
मेलकोटे-571431 (कर्नाटक) — सदस्य

13- एस.रिनपोचे
निदेशक,
केन्द्रीय उच्च तिब्बतन अध्ययन संस्थान
सारनाथ, वाराणसी — सदस्य

14- प्रोफेसर करूणेश शुक्ल
संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर, उत्तरप्रदेश-273009 — सदस्य

---

× यह पद प्रोफेसर आर.सी.द्विवेदी के आकस्मिक निधन के कारण रिक्त है ।

15- प्रोफेसर आर.वी.जोशी
एच-4/3, माडल टाउन-2
दिल्ली — सदस्य

16- डा0 आर.वी.त्रिपाठी
संस्कृत विभाग
सागर विश्वविद्यालय
सागर, मध्यप्रदेश — सदस्य

17- निदेशक,
विश्वेश्वरानंद विश्व बंधु
वैदिक शोध संस्थान
होशियारपुर, पंजाब — सदस्य

18- निदेशक
वैदिक संशोधन मंडल
पूना, महाराष्ट्र — सदस्य

19- सचिव
मध्यप्रदेश संस्कृत अकादमी, भोपाल — सदस्य

20- डा0 जी.सी.त्रिपाठी
प्राचार्य,
केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,
बी-1/89-बी, अलीगंज, लखनऊ — सदस्य

21- डा0 जे.एन.पाठक
प्राचार्य
गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद — सदस्य

22- डा0 आर.के.शुक्ल
केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,
बी-89, ललित निवास, बापू नगर, जयपुर — सदस्य

23- निंदेशक
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली — सदस्य-सचिव

संलग्नक-"ख"

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
नयी दिल्ली

==========

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
==========

1- श्री अर्जुन सिंह
मानव संसाधन विकास मंत्री
शास्त्री भवन, नयी दिल्ली — अध्यक्ष

2- श्री के.एन.राव
21/बी, टेलीग्राफ लेन
नयी दिल्ली-110001 — उपाध्यक्ष

3- वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नयी दिल्ली — सदस्य

4- श्री प्रियदर्शी ठाकुर
संयुक्त सचिव (भाषा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नयी दिल्ली — सदस्य

5- प्रोफेसर विद्यानिवास मिश्र
कुलपति,
संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी-उ0प्र0 — सदस्य

6- पं0 एम.ए.लक्ष्मीताताचार्य
कुलसचिव,
एकेडमी आफ संस्कृत रिसर्च
मेलकोटे- 571431 (कर्नाटक) सदस्य

7- प्रोफेसर आर.सी.द्विवेदी
प्रोफेसर-संस्कृत
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान सदस्य

8- प्रोफेसर करूणेश शुक्ल
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर-उ0प्र0 सदस्य

9- निदेशक
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
नयी दिल्ली सदस्य-सचिव

संलग्नक-(ग)

## राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

### (I) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थायें

| क्रम सं0 | संस्था का नाम | पाठयक्रम जिसके लिये सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| 1- | लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>काली रेखा वैद्यनाथ धाम<br>देवधर (बिहार) | प्राकशास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| 2- | आर्यकन्या गुरूकुल<br>न्यू राजेन्द्र नगर<br>नयी दिल्ली | प्रथमा<br>पूर्व मध्यमा<br>उत्तर मध्यमा<br>शास्त्री |
| 3- | श्री सामन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय<br>दरियागंज,<br>नयी दिल्ली । | प्रथमा<br>पूर्व मध्यमा<br>उत्तर मध्यमा, शास्त्री, आचार्य |
| 4- | कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ<br>पोस्ट आफिस, बालूसरी,<br>जिला-- कालीकट, (केरल) | प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री, आचार्य |
| 5- | कोडांगलूर विद्धतपीठ<br>पैलेस रोड, पो0 कोडंगलूर,<br>जिला-त्रिचूर (केरल) | प्राक्शास्त्री,<br>शास्त्री,<br>आचार्य |
| 6- | श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम्<br>पो0 इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन<br>केरल । | पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा,<br>शास्त्री, आचार्य,<br>विद्यावारिधि |

| | | |
|---|---|---|
| 7- | मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>भारतीय विद्याभवन, के.एम.मुंशी मार्ग,<br>बम्बई । | प्राकशास्त्री<br>शास्त्री, आचार्य |
| 8- | श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती संस्कृत महाविद्यालय<br>नं0 31, ईस्ट माडा स्ट्रीट,<br>कांचीपुरम्, तमिलनाडु | प्रथमा, उत्तरमध्यमा,<br>प्राक्शास्त्री, शास्त्री<br>आचार्य |
| 9- | सीताराम विद्यामंदिर,<br>श्रीरंगम्-122<br>अम्मामंडपम् रोड,<br>त्रिचिरापल्ली (तमिलनाडु) 620006 | प्रथमा, पूर्वमध्यमा<br>उत्तरमध्यमा<br>प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री |

सम्बद्ध संस्थाएँ-1992-93

| क्र0 सं0 | संस्थाओं के नाम | पाठ्यक्रम जिसमें सम्बद्ध किया गया |
|---|---|---|
| 1- | जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय<br>लगमा ग्रा.पो. रामभद्रपुर<br>वा. लोहनारोड़ जि. दरभंगा(बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा--प्रथम, द्वितीय |
| 2- | राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ<br>कोलहन्टापटोरी पो0 पटोरी<br>बसंत, जिला--दरभंगा(बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा--प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री--प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-(साहित्य)प्रथम, द्वितीय |
| 3- | डा0 रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय<br>मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्यव्याकरण,<br>प्राचीन व्याकरण, सिद्धांत ज्योतिष<br>फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन) |
| 4- | श्री भगवान महावीर संस्कृत विद्यापीठ,<br>सावन आश्रम, शक्ति नगर,<br>दिल्ली- 110007 | उत्तरमध्यमा--प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 5- | श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय,<br>एफ- 487/3, रघुवीर नगर,<br>नयी दिल्ली-110027 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |

| | | |
|---|---|---|
| 6- | वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,<br>वसंत नगर, नयी दिल्ली- 110057 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा--प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 7- | ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य<br>राजघाट पावर हाऊस<br>गाँधी समाधि, नयी दिल्ली | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 8- | वेद संस्थान,<br>सी-22, राजौरी गार्डन,<br>नयी दिल्ली | विद्यावारिधि |
| 9- | हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,<br>बघौला, तहसील-पलवल<br>जिला-फरीदाबाद (हरियाणा) | आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>साहित्य, व्याकरण) |
| 10- | रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>पो0-अरूणापुरम्, पलाई (केरल) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 11- | परमभट्टार गुरूकुल विद्यापीठम् संस्कृत कालेज<br>श्री रामानंद नगर, बडयम् पेडी<br>पो- 682308, एर्णाकुलम्, (केरल) | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 12- | कालडी प्लाटिनम जुबली उच्च अध्ययन<br>संस्कृत कालेज,<br>कालडी-जिला-एर्णाकुलम् (केरल) | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राकशास्त्री--प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>(व्याकरण) |
| 13- | मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ,<br>डी.एम.कालेज कैम्पस,<br>इम्फाल, मणिपुर | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |

| | | |
|---|---|---|
| 14- | नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ,<br>गंगापुर सिटी- 322201<br>जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 15- | कुप्पूस्वामी शास्त्री रिसर्च इंस्टीट्यूट<br>मैलापुर, 84, रोयापेट हाई रोड,<br>मद्रास- 600004 (तमिलनाडु) | विद्यावारिधि |
| 16- | श्री विद्या एजुकेशनल सोसायटी<br>44-ए, पार्थसारथिस्ट्रीट,<br>एस.एस.कालोनी,<br>मदुरई -16 | प्रथमा--प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 17- | आदर्श संस्कृत विद्या परिषद्<br>सल्ट महादेव,<br>जिला-पौड़ी गढ़वाल (उ0प्र0) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 18- | श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय<br>बी-22/195, द्वारिकाधीश मंदिर,<br>शंकुलधारा, वाराणसी-221010 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा--प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, व्याकरण) |
| 19- | श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय,<br>बिल्वेश्वर, पो0-सिलयर, जिला-मामर,<br>टिहरी गढ़वाल-उ0प्र0 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 20- | पगलानंद संस्कृत महाविद्यालय,<br>दौरा पो0 (कंटई) जिला-मिदनापुर<br>पश्चिम बंगाल-721501 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री--प्रथम, द्वितीय |

| | | |
|---|---|---|
| 21- | श्री गुरू भोलानंद संस्कृत आश्रम<br>मणिरामपुर पो0-एवं जिला-बैरकपुर<br>743101 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 22- | ठाकुर गदाधर विद्यापीठ,<br>पो0 आरामबाग (कालीपुर)<br>जिला-हुगली (पश्चिमबंगाल) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय) |
| 23- | जगद्गुरू शंकराचार्य संस्कृत विद्यापीठ,<br>भूमणि केट्टनन सापट, सरीवर मार्ग,<br>हरिद्वार-उ0प्र0 | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 24- | वेलूर एजुकेशन ट्रस्ट<br>37, सेकेण्ड ईस्ट क्रास<br>गाँधी नगर, वेलूर, तमिलनाडु | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 25- | श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय,<br>निवेतिया रोड, वसंत<br>बंबई (महाराष्ट्र)-400097 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 26- | श्री बादेश्वर संस्कृत महाविद्यालय,<br>पोरबंदर (गुजरात) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 27- | एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च इंस्टीट्यूट<br>मेलकोटे | शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(वेदांत, व्याकरण) |
| 28- | इन्द्रपति संस्कृत विद्यापीठ,<br>बुद्धविहार, नयी दिल्ली-7 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |

| | | |
|---|---|---|
| 29- | श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय,<br>उदयरामपुर, कोटद्वार,<br>गढ़वाल, उ0प्र0 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 30- | श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत<br>शिक्षा संसद, वैकुण्ठधाम-107,<br>साउदर्न एवेन्यू 12वीं मंजिल,<br>कलकत्ता-700029 | शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्यन्याय, अद्वैतवेदांत)<br>विद्यावारिधि |
| 31- | श्री सी. एस. गुरूकुल संस्कृत महाविद्यालय,<br>विल्लूपुरूम (तमिलनाडु) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 32- | श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय,<br>वोमेन्स वैरिटेबुल सोसायटी,<br>प्रधान कार्यालय, उलोन,<br>त्रिवेन्द्रम-695011, इण्डाकइडम | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय |
| 33- | श्री तिवरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय,<br>नैनीताल रोड, बरेली-उ0प्र0 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 34- | इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साइंस<br>बी-5/171, कृष्णनगर,<br>दिल्ली-110051 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 35- | हनुमान मंदिर संस्कृत पाठशाला<br>शक्तिनगर,<br>दिल्ली-110007 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 36- | श्री महावीर विश्वविद्यालय,<br>पश्चिम विहार,<br>नयी दिल्ली | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>विद्यावारिधि |
| 37- | श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय,<br>रमेश नगर,<br>नयी दिल्ली-15 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |

| | | |
|---|---|---|
| | | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य--प्रथम, द्वितीय<br>§साहित्य, व्याकरण§ |
| 38- | आलोक संस्कृत महाविद्यालय,<br>महेन्दरगढ़, हरियाणा | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम |
| 39- | भारतीय संस्कृत<br>पायनूर-670307 | प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री--प्रथम, द्वितीय |
| 40- | बाल विद्या मंदिर<br>रोहिणी पूठ कलाँ,<br>दिल्ली-110041 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| 41- | श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय,<br>§राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत§<br>मंडावली, दिल्ली-110092 | आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>§कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत§ |
| 42- | विवेकानंद संस्कृत पाठशाला,<br>विवेकानंद आश्रम,<br>विवेकानंद नगर, पो0हिवाटा,<br>§वी.यू.§तहसील मोहेकर,<br>जिला-बुलधाना,<br>महाराष्ट्र- 443301 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 43- | श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय,<br>श्री कोशलेन्द्र मठ, पो0-पलाडी,<br>सुरखेज रोड,<br>अहमदाबाद, गुजरात-380007 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>§रामानंद वेदांत§ |

| | | |
|---|---|---|
| 44- | हरेश्वर संस्कृत विद्यापीठ,<br>लिंग्स दार्जिलिंग हरलोक,<br>लिंग्स वाया-रीनक,<br>पूर्व सिक्किम- 737133 | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राकशास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| 45- | गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ,<br>मोदी नगर, उ0प्र0 | पथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| 46- | श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय,<br>प्रणामि नगर (दादरी गेट)<br>भिवानी, हरियाणा | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम<br>आचार्य-प्रथम (साहित्य व्याकरण) |
| 47- | डा0 मण्डन मिश्र<br>माध्यमिक संस्कृत विद्यालय,<br>संजात बेगूसराय<br>(बिहार) | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम |
| 48- | आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>जौरा,<br>जिला-मुरैना (म0प्र0) | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम |
| 49- | श्री चन्द्रिका दास<br>संस्कृत महाविद्यालय<br>धौरी, भोजपुर (बिहार) | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम<br>आचार्य-प्रथम<br>(साहित्य, नव्यव्याकरण, वेद,<br>ज्योतिष, दर्शन) |

| | | |
|---|---|---|
| 50- | श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय,<br>समर्थेश्वर महादेव,<br>एलिस ब्रिज,<br>अहमदाबाद-6 | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम |
| 51- | एम.जे.पी.संस्कृत विद्यालय,<br>नरूनपुर,<br>अहमदाबाद-13 | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम |
| 52- | शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानंद तीर्थ<br>संस्कृत महाविद्यालय,<br>द्वारका | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम<br>आचार्य-प्रथम<br>§साहित्य, नव्यव्याकरण§ |
| 53- | देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर<br>संस्कृत महाविद्यालय,<br>रामचन्द्रपुर | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम |
| 54- | दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ,<br>कालीधाम,कथेरा<br>दरभंगा§बिहार§ | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम |
| 55- | रानी पद्मावती तारा योग तंत्र<br>महाविद्यालय,संस्थान इन्द्रपुर<br>§शिवपुर§ वाराणसी | प्रथमा-प्रथम<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम<br>प्राकशास्त्री-प्रथम<br>शास्त्री-प्रथम<br>आचार्य-प्रथम<br>§साहित्य, नव्यव्याकरण,<br>फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन,<br>कर्मकाण्ड, वेद§ |

56- लक्ष्मीकांत जनजागरण संस्कृत कालेज,
श्रीदिलपुर, पो0-आनंदपुर,
जिला-दरभंगा (बिहार)

प्रथमा-प्रथम, द्वितीय
पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय
प्राकशास्त्री--प्रथम, द्वितीय
शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय
आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य)

संलग्नक-"घ"

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

| | | |
|---|---|---|
| 1- | नं0 6/12/71 (डी) कैबिनेट सचिवालय<br>कार्मिक विभाग, भारत सरकार,<br>नयी दिल्ली | 1-प्रथमा-मिडिल स्कूल<br>2-मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक<br>3-शास्त्री--बी.ए.<br>4-आचार्य--एम.ए.<br>5-शिक्षाशास्त्री-बी.एड.<br>6-विद्यावारिधि-पी-एच.डी.<br>7-वाचस्पति-डी.लिट्. |
| 2- | मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग<br>नं0 795/7161(3)/72 भोपाल,<br>दिनांक- 5-12-1972 | --वही- |
| 3- | पंजाब सरकार, नं0 472-468-1172, 2686<br>जनवरी- 1971 | -वही- |
| 4- | शिक्षा निदेशक मणिपुर,<br>11/8/71 एस ई दिनांक 30 अगस्त 1972 | -वही- |
| 5- | शिक्षा निदेशक दिल्ली<br>एफ-32/125/शिक्षा/72<br>दिनांक 29-1-1972 | -वही- |
| 6- | गोआ, दमन और दीव,<br>विशेष/स्थापना/2665-11<br>दिनाक 23 अक्टूबर 1972 | -वही- |
| 7- | तमिलनाडु सरकार,<br>ज्ञापन सं0 94120/एच-172, 2-शिक्षा<br>दिनांक- 2 जनवरी, 1973<br>पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 | शिक्षाशास्त्री-बी.एड.<br>प्रथमा-मिडिल स्कूल<br>उत्तरमध्यमा-उच्चतर माध्यमिक<br>पूर्वमध्यमा-मैट्रिक |

| | | |
|---|---|---|
| 8- | महाराष्ट्र सरकार-82/दि0 24-9-82<br>अनुरोध सं0-एस.एस.एन.3271/157427-ई<br>दिनांक 23 अक्टूबर 1972 | उत्तरमध्यमा-सीनियर स्कूल<br>सार्टिफिकेट<br>प्राकशास्त्री |
| 9- | उत्तरप्रदेश सरकार सं0 10/2/1219<br>नियुक्ति(4) लखनऊ<br>दिनांक 27 अगस्त 1973 | प्रथमा-मिडिल स्कूल(आठवींकिक्षा)<br>पूर्वमध्यमा-हाईस्कूल<br>उत्तरमध्यमा-इन्टरमीडिएट<br>शास्त्री-बी.ए.<br>आचार्य-एम.ए.<br>शिक्षाशास्त्री-बी.एड.<br>विद्यावारिधि-पी-एच.डी.<br>वाचस्पति-डी.लिट्. |
| 10- | हरियाणा सरकार सं0 218,जी शिक्षा<br>(एस ई) 74/14620 चंडीगढ़<br>दिनांक 13-5-74<br>ज्ञापन सं0-डी 4/50-73-सी ओ(2)<br>दिनांक 12-2-1986 | प्रथमा-मिडिल-III<br>मध्यमा-हायर सकेंडरी या<br>इंटरमीडिएट<br>शास्त्री -बी.ए.<br>आचार्य-एम.ए.<br>शिक्षाशास्त्री-बी.एड.<br>विद्यावारिधि-पी-एच.डी.<br>वाचस्पति-डी.लिट्.<br>शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. |

संलग्नक-"डी"

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची ।

1- महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं0 एसी/11/221 दिनांक 30-6-93

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

2- सागर विश्वविद्यालय, सागर पत्र सं0 सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.78

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | इंटरमीडिएट |
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

3- विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 1 अगस्त 1973

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट् . |

4- आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं0 1§6§3925/72 दिनांक 27.9-93

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |

5- राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं0 एफ-4-1/72§शैक्षिक-11/1164/ए दिनांक 25-5-73 जयपुर

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |

6- कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं0 जी ए§डी 4§ 899/72 दिनांक 28-11-1973

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट्. |

7- श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय आर.ओ.सी.संख्या-सी.आई.-33017/73 दिनांक 12-12-73

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

8- मगध विश्वविद्यालय पत्र सं0 4767 48-23 डी 11/बोध गया दिनांक 4-12-73

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | हायर सेकेन्डरी |
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |

9- जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ.शैक्षिक/153/74/4/95-99 दिनांक 14-2-1974

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | पूर्व विश्वविद्यालय |
| शास्त्री-भाग-1 | = | बी.ए.भाग-1 |
| शास्त्री-भाग-3 | = | बी.ए.अंतिम वर्ष |
| आचार्य | = | एम.ए.संस्कृत या साहित्याचार्य |

10- अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल.डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22-2-1974

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

11- बर्दवान विश्वविद्यालय आर.सी.आई./समानार्थक/141/376174 दिनांक 24-6-84

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम |
| शास्त्री | = | कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय) |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट्. |

12- कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22-11-74

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

13- उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं0 ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1-7-1995

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |

(द्रष्टव्य क्रम सं0 32 सी)

14- पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समानार्थक-109/3349/दिनांक 26-4-1975

| | | |
|---|---|---|
| प्राकशास्त्री | = | प्री-डिग्री |
| शास्त्री | = | बी.ए.संस्कृत |
| आचार्य | = | एम.ए.संस्कृत |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड.संस्कृत |

15- जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं0 ई0/3013 दिनांक 13-5-1975

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

16- कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं0 ए सी एम-11/6115 दिनांक 6-6-1975 और ए सी एम/11/137/7/7611000 दिनांक 7-8-75

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

17- गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी.मान्यता सं0 32482 दिनांक 17-9-1975

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

18- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ.36/ओईन/31/संस्कृत/22721 दिनांक 23-12-74

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु । |

19- केरल विश्वविद्यालय पत्र सं0 सी-3/720/76-जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22-3-76

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

20- विश्वभारती पत्र सं0 जी-4-43 दिनांक 23-4-76

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट्. |

21- भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं0ईवी-11922/76/32735 दिनांक 7-2-76

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

22- हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं0 12/13/72-एच पी यू (शैक्षिक)
दिनांक 19-12-77

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट्. |

23- दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं0-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14-11-84

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | (बी.ए. पासकोर्स)<br>एम.ए.संस्कृत में प्रवेश के लिए |
| आचार्य | = | एम.ए. |

24- संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं0 11727/शैक्षिक-दिनांक 4-5-79

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए.<br>(एम.ए.संस्कृत में प्रवेश हेतु) |

25- श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा/संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या- 935674 दिनांक 5-10-74

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | मध्यमा |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |
| शिक्षाशास्त्री | = | शिक्षाशास्त्री |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| वाचस्पति | = | वाचस्पति |

26- कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं0-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12-7-79

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

27- गुरूनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर पत्र सं0 सामान्य/मान्यता/3920दिनांक 22-4-1980

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

28- मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं0 सी आर- 111/मान्यता/1925 दिनांक 17-3-1980

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

29- पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं0 एस-1688। दिनांक 28-11-1980

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | प्राज्ञ |
| मध्यमा | = | विशारद |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |

30- श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं0 5163/84/एस.जे.एस.वी. दिनांक 10-8-84

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | प्रथमा |
| पूर्वमध्यमा | = | मध्यमा |
| उत्तरमध्यमा | = | उपशास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| वाचस्पति | = | वाचस्पति |

31- बरहमपुर विश्वविद्यालय/मैंज/बिहार,बरहमपुर/जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं0-5131/शैक्षिक-11/बी यू /84 दिनांक 16-4-84

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए.(पास) |
| आचार्य | = | एम.ए.(संस्कृत) |

32- उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर(उड़ीसा)पत्र सं0 18826 दिनांक 5-6-84

| | | |
|---|---|---|
| आचार्य (बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी) | = | एम.ए.संस्कृत |

33- त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं0 372/84 दिनांक 19-9-84

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री | = | प्राक्शास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |

34- संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं0 जी-458/4019/74-85

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री | = | प्राक्शास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |

35- भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं0 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15-3-85

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी.एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी.लिट्. |

36- संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी पत्र सं0 शै0-1722/92 दिनांक 22-12-92

| | | |
|---|---|---|
| आचार्य | = | आचार्य |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि(पी.एच.डी.) |
| वाचस्पति | = | वाचस्पति(डी.लिट्.) |

37- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं0-र सी एम/11/137/92/32489 दिनांक 28-12-92

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) | = | बी.ए.(पास)टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो । |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य (यदि विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.उत्तीर्ण किया हो) | = | एम.ए. |

38- मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं0. एफ-7-2/83-संस्कृत-2 दिनांक 31 दिसम्बर 1992

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षाचार्य | = | एम.एड. |

39- रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं0 2947/र के. र मान्यता/90 रायपुर दिनांक 3-8-1990

40- मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी 1992

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. |

41- अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं0 एफ 14(193)शिक्षा-11/यू ओ र/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी 1992

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

## समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा, वर्ष- 1992-93

| | प्राप्ति | योजनागत | योजनेत्तर | कुलयोग |
|---|---|---|---|---|
| | लेखा शीर्ष | | | |
| क- | रोकड़ जमा | 1,381.51 | 1,53,665.96 | 1,55,047.47 |
| ख- | बैंक में नकद जमा | 77,40,539.75 | 25,12,455.45 | 1,02,52,995.20 |
| ग- | वही- (फोर्डफाउण्डेशन) | --- | 3,62,634.93 | 3,62,634.93 |
| घ- | वही- (सी.सी.प्रोजेक्ट) | --- | 1,21,811.60 | 1,21,811.60 |
| 2- | मंत्रालय से प्राप्त सहायता | | | |
| | अनुदान अनुरक्षण | 75,00,000.00 | 2,82,00,000.00 | 3,57,00,000.00 |
| 3- | विविध आय | 34,201.09 | 9,19,016.18 | 9,53,217.27 |
| | प्रकाशनों की बिक्री | | | |
| | अ- मंत्रालय प्रकाशन | 2,17,586.22 | --- | 2,17,586.22 |
| | ब- कीमत मूल्य | --- | 29,210.61 | 29,210.61 |
| | स- लाभ | --- | 3,024.09 | 3,024.09 |
| 4- | भेजी गयी रकम | | | |
| | क- आयकर | --- | 4,26,005.00 | 4,26,005.00 |
| | ख- जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. | -- | 47,64,877.00 | 47,64,877.00 |
| | ग- जी.आई.एस. | --- | 54,210.96 | 54,210.96 |
| | घ- जीवन बीमा प्रीमियम | --- | 5,15,940.04 | 5,15,940.04 |
| | च- टी डी आर पर ब्याज | --- | 10,595.90 | 10,595.90 |
| | छ- जी पी एफ प्रतिनियुक्ति | --- | 39,020.00 | 39,020.00 |
| | ज- परीक्षा पारिश्रमिक | --- | 8,499.65 | 8,499.65 |

| | भुगतान | योजनागत | योजनेतर | कुलयोग |
|---|---|---|---|---|
| | लेखा शीर्ष | | | |
| 1. | वेतन एवं भत्ते | 5,85,290.90 | 1,86,52,563.35 | 1,92,37,854.25 |
| 2. | चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 861.35 | 3,56,356.04 | 3,57,217.39 |
| 3. | यात्रा भत्ता और मँहगाई भत्ता | 1,00,307.05 | 8,30,146.35 | 9,30,453.40 |
| 4. | छात्रवृत्ति (विद्यापीठ) | 32,134.00 | 8,66,847.45 | 8,98,981.45 |
| 5. | छात्रवृत्ति (मुख्यालय) | --- | 6,90,830.00 | 6,90,830.00 |
| 6. | अवकाश वेतन और पी.सी. | --- | 52,587.50 | 52,587.50 |
| 7. | सेवानिवृत्ति लाभ | | | |
| | अ- ग्रेच्यूटी | --- | 93,262.00 | 93,262.00 |
| | ब- पेंशन | --- | 4,55,629.75 | 4,55,629.75 |
| | स- पेंशन का परिवर्तित मूल्य | --- | 90,203.00 | 90,203.00 |
| 8. | जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. | | | |
| | क- संस्थान का अंशदान | --- | 1,18,873.00 | 1,18,873.00 |
| | ख- जी.पी.एफ.पर ब्याज | 18,356.00 | 3,55,844.68 | 3,74,200.68 |
| 9. | आकस्मिक व्यय | | | |
| | क- किराया,दर और टैक्स (कर) | 40,150.00 | 14,10,593.37 | 14,50,743.37 |
| | ख- अनुरक्षण और मरम्मत | 942.00 | 1,14,916.01 | 1,15,858.01 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | झ- परीक्षा शुल्क | --- | 1,850·00 | 1,850·00 |
| | ट- अक्षय निधि फंड | --- | 107·00 | 107·00 |
| | ठ- अन्य विभागों से प्राप्त धन | --- | 3,78,626·15 | 3,78,626·15 |
| | ड- जीवन बीमा निगम | --- | 754·80 | 754·80 |
| | ढ-जम्मू को प्रेषित अग्रिम धनराशि पर ब्याज | --- | 1,218·00 | 1,218·00 |
| 5- | पुस्तकालय अवधान द्रव्य | --- | 9,390·00 | 9,390·00 |
| 6- | बयाना और जमानत जमा | 7,125·00 | 200·00 | 7,325·00 |
| 7- | सी·डी·एम·ए·द्वारा लौटाया गया धन | 27,07,500·00 | - | 27,07,500·00 |
| 8- | एफ डी आर भुनाना | - | 2,00,00,000·00 | 2,00,00,000·00 |
| 9- | पी एस एस टी | - | 91,499·75 | 91,499·75 |
| 10- | पी डब्लू डी द्वारा अग्रिम समायोजन | 3,50,850·00 | - | 3,50,850·00 |
| 11- | अग्रिम धन का खाता<br>================= | | | |
| | क- एल टी सी | 6,648·00 | 1,31,395·50 | 1,38,043·50 |
| | ख- यात्रा भत्ता | 46,408·00 | 3,77,125·00 | 4,23,533·00 |
| | ग- त्यौहार भत्ता | 240·00 | 95,820·00 | 96,060·00 |
| | घ- वाहन भत्ता | 15,283·75 | 2,56,533·00 | 2,71,816·75 |
| | च- प्रासंगिक (आकस्मिक) | 54,162·45 | 2,85,792·90 | 3,39,955·35 |
| | छ- पंखा | - | 400·00 | 400·00 |
| | ज- एच·बी·ए· | - | 2,62,623·00 | 2,62,623·00 |
| | झ- चिकित्सा अग्रिम | - | 8,000·00 | 8,000·00 |
| | ट- वेतन | 5,075·00 | 5,450·00 | 10,525·00 |
| | ठ- छुट्टी का अग्रिम वेतन | - | 1,163·00 | 1,163·00 |
| 12- | छात्रकोष अवधान द्रव्य | - | 1,400·00 | 1,400·00 |



| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | ग- टेलीफोन बिल | 14,422·50 | [illegible] | [illegible] |
| | घ- विज्ञापन | 2,700·00 | 1,35,173·60 | 1,37,873·60 |
| | च- स्टेशनरी और मुद्रण | 28,216·25 | 1,97,780·75 | 2,25,997·00 |
| | छ- लेखा परीक्षा शुल्क | -- | 1,18,240·00 | 1,18,240·00 |
| | ज- पानी और विजली | 3,284·00 | 1,55,449·22 | 1,58,733·22 |
| | झ- विविध आकस्मिकता | 42,665·85 | 16,45,189·36 | 16,87,855·21 |
| | ट- लिवरीज | - | 37,028·62 | 37,028·62 |
| | ठ- कानूनी खर्चे | - | 80,472·30 | 80,472·30 |
| | ड- स्टॉफ कार | - | 1,15,327·35 | 1,15,327·35 |
| 10- | फोर्ड फाउण्डेशन | - | 1,74,000·00 | 1,74,000·00 |
| 11- | सी·सी·कैसेट परियोजना | - | 908·00 | 908·00 |
| 12- | शास्त्र चूड़ामणि योजना | 7,11,444·00 | - | 7,11,444·00 |
| 13- | विशेष प्राच्य पाठ्यक्रम | 1,73,513·00 | - | 1,73,513·00 |
| 14- | संस्कृत पुस्तकों का क्रय | 7,59,974·95 | - | 7,59,974·95 |
| 15- | (नहीं) पुनः प्रकाशन योजना | 13,09,000·00 | - | 13,09,000·00 |
| 16- | संस्कृत साहित्य की पुस्तकों का प्रस्तुतीकरण | 7,70,542·75 | - | 7,70,542·75 |
| 17- | डेकन कालेज पूना | - | 9,47,617·00 | 9,47,617·00 |
| 18- | राष्ट्रपति पुरस्कार | - | 13,74,939·40 | 13,74,939·40 |
| 19- | जमा और जमानत जमा | 7,125·00 | 1,450·00 | 8,575·00 |
| 20- | पुस्तकालय अवधान द्रव्य | - | 6,030·00 | 6,030·00 |
| 21- | एफ डी आर की खरीद | - | 2,00,00,000·00 | 2,00,00,000·00 |
| 22- | पी एस एस टी | - | 91,499·75 | 91,499·75 |
| 23- | टी डी आर की खरीद | - | 20,500·00 | 20,500·00 |
| 24- | धन भेजना<br>========== | | | |
| | क- आयकर | - | 5,07,188·00 | 5,07,188·00 |
| | ख- जी·पी·एफ·/सी·पी·एफ· | - | 47,66,477·00 | 47,66,477·00 |
| | ग- जी·आई·एस· | - | 54,400·29 | 54,400·29 |
| | घ- जीवन बीमा प्रीमियम | - | 4,95,432·59 | 4,95,432·59 |
| | च- जी पी एफ प्रतिनियुक्ति | - | 39,020·00 | 39,020·00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| छ- परीक्षा पारिश्रमिक | - | 6,563·30 | | 6,563·30 |
| ज- परीक्षा शुल्क | - | 1,850·00 | | 1,850·00 |
| झ- अन्य विभागों से प्राप्त धन | | 3,80,626·15 | | 3,80,626·15 |
| ट- हरिजन कल्याण | - | 12,728·00 | | 12,728·00 |
| ठ- जीवन बीमा निगम | - | 754·80 | | 754·80 |
| ड- असमंजसगत धन | - | 5,000·00 | | 5,000·00 |
| ढ- जम्मू को प्रदत्त ब्याज | - | 834·00 | | 834·00 |
| त-अक्षय निधि फंड | - | 107·00 | | 107·00 |
| 25- पूँजीगत खर्च | | | | |
| ========== | | | | |
| क- पुस्तकालय के लिय पुस्तकें | 1,58,225·59 | 1,61,000·05 | | 3,19,225·64 |
| ख- मशीनरी और उपकरण | 3,779·00 | 83,813·75 | | 87,592·75 |
| ग- प्रकाशन | 94,101·00 | 69,848·50 | | 1,63,949·50 |
| घ- फर्नीचर | 96,465·10 | 67,484·40 | | 1,63,949·50 |
| च- जमीन और भवन | 2,77,150·00 | - | | 2,77,150·00 |
| छ- सी·पी·डब्लू डी·के पास जमा खाता | 1,26,86,500·00 | - | | 1,26,86,500·00 |
| ज- पी डब्लू डी द्वारा अग्रिम समायोजन | 3,50,850·00 | - | | 3,50,850·00 |
| 26- अग्रिम धन | | | | |
| ========= | | | | |
| क- एल टी सी | 6,648·00 | 67,674·00 | | 74,322·00 |
| ख- यात्रा भत्ता | 46,408·00 | 3,48,928·00 | | 3,95,336·00 |
| ग- त्यौहार भत्ता | 240·00 | 97,430·00 | | 97,670·00 |
| घ- वाहन भत्ता | 15,283·75 | 1,51,323·00 | | 1,66,606·75 |
| च- अग्रिम आकस्मिकता | 45,134·45 | 2,67,449·00 | | 3,12,583·45 |
| छ- एच·बी·ए· | - | 12,90,608·00 | | 12,90,608·00 |
| ज- वेतन | 5,075·00 | 4,220·00 | | 9,295·00 |
| झ- चिकित्सा अग्रिम | - | 8,000·00 | | 8,000·00 |
| ट- अग्रिम छुट्टी वेतन | - | 1,163·00 | | 1,163·00 |
| ठ- पंखे के लिए अग्रिम धनराशि | | 400·00 | | 400·00 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 27- | रोकड़ शेष | | | | | |
| | ========= | | | | | |
| | क- हाथ रोकड़ | - | | 85,458·37 | | 85,458·37 |
| | ख- बैंक में जमा रोकड़ | 3,00,211·28 | | 11,40,936·99 | | 14,41,148·27 |
| | ग- -वही-(फोर्ड फाउण्डेशन) | | | 1,88,634·93 | | 1,88,634·93 |
| | घ- -वही-(सी सी कैसेट प्रोजेक्ट) | | | 1,20,903·60 | | 1,20,903·60 |
| | कुलयोग | 1,86,87,000·77 | 6,00,30,306·47 | | 6,00,30,306·47 | 7,87,17,307·24 |
| | | | | 1,86,87,000·77 | | |

ह0

अनुभाग अधिकारी(लेखा)

ह0

उप-निदेशक(वित्त)

ह0

निदेशक